फरवरी 2020

सामान्य ज्ञान दर्पण

वर्ष 33 सप्तम् अंक

इस अंक में...

5 सम्पादकीय

विशेष स्तम्भ

7 समसामयिक सामान्य ज्ञान
13 आर्थिक परिदृश्य
17 राष्ट्रीय परिदृश्य
24 अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य
27 क्रीड़ा जगत्
30 ऐतिहासिक पारिभाषिक शब्दावली
32 विज्ञान समाचार
35 समसामयिक महत्वपूर्ण तथ्य
36 सारभूत तत्व कोष
40 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न
43 युवा प्रतिभा

लेख

44 सामयिक लेख—(i) डॉ. अम्बेडकर और उनका समाज व जीवन दर्शन
45 (ii) जम्मू-कश्मीर का हुआ सार्थक विभाजन
47 प्रौद्योगिकी लेख—आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की बढ़ती दखल
49 द्विपक्षीय-अन्तर्राष्ट्रीय लेख—भारत और जर्मनी के बीच मजबूत होती साझेदारी
50 द्विपक्षीय साझेदारी लेख—भारत-सऊदी अरब सम्बन्धों का नया दौर
52 ऊर्जा लेख—जेट्रोफा : बायोफ्यूल का एक स्रोत
54 पर्यावरण लेख—अम्लीय वर्षा एवं उसके दुष्परिणाम

हल प्रश्न-पत्र

55 आर.आर.बी. जूनियर इंजीनियर कम्प्यूटर आधारित परीक्षा, 2019
61 उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद् सहायक अध्यापक भर्ती परीक्षा, 2018
84 एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तरीय (प्रथम चरण) परीक्षा, 2018
93 एस.एस.सी. संयुक्त हायर सेकण्डरी (10+2) लेवल परीक्षा, 2018
101 हरियाणा एस.एस.सी. क्लर्क परीक्षा, 2019
107 उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय ग्रुप 'डी' परीक्षा, 2019
113 आगामी बिहार पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न
119 आगामी राजस्थान पुलिस कॉंस्टेबिल भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

विविध/सामान्य

128 वार्षिक रिपोर्ट 2018-19—ग्रामीण विकास के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के बढ़ते चरण : एक दृष्टि में
131 अयोध्या के विवादित ढाँचे पर सर्वोच्च न्यायालय का फैसला
133 मध्य प्रदेश पर विशेष— मध्य प्रदेश : सामाजिक-आर्थिक स्थिति
136 क्या आप परिचित हैं ?
137 रोजगार समाचार

सामान्य ज्ञान दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. **-सम्पादक**

• **E-mail :** publisher@pdgroup.in • **Website :** www.pdgroup.in

सम्पादकीय

आपके लिए कुछ भी असम्भव नहीं है

''हमेशा समग्र प्रयास करें, तब भी जब परिस्थितियाँ आपके अनुकूल न हों.''

नेपोलियन की सेना कूच करती हुई चली जा रही थी मार्ग में यूरोप की उच्चतम पर्वत श्रेणी एल्प्स आ गई. सैनिक थोड़े ठिठक गए पीछे से नेपोलियन की आवाज आई-एल्प्स है ही नहीं. नेपोलियन की ललकार ने सैनिकों के मन की वृत्ति को एकदम बदल दिया और देखते ही देखते पूरी सेना एल्प्स के पार हो गई.

नेपोलियन अक्सर कहा करता था कि संसार में कुछ भी करना असम्भव नहीं है. Impossible-that is a word to be found in the dictionary of fools—''असम्भव, मैं कुछ भी असम्भव नहीं मानता.'असम्भव' शब्द मूर्खों के शब्द कोश में पाया जाता है. यद्यपि नेपोलियन जीवन में वह सब कुछ नहीं पा सका, जो वह प्राप्त करना चाहता था, तथापि इतिहास साक्षी है कि उसने अनेक ऐसे कार्य किए जो सामान्यतः असम्भव समझे जाते थे, वास्तविक बात यह है कि जीवन में कुछ महत्वपूर्ण एवं स्मरणीय काम करने के लिए व्यक्ति में पूर्ण आत्मविश्वास एवं अदम्य उत्साह की अपेक्षा होती है. अपने उत्कट आत्म-उत्साह के बल पर ही निर्वासित श्रीराम ने त्रिलोक जयी रावण का वध किया था, बालक श्री कृष्ण ने आततायी दैत्य शिरोमणि कंस का वध किया था, मात्र पाँच पाण्डवों ने सौ कौरवों एवं उनकी समुद्र सदृश विशाल सेना को परास्त किया था आदि. यह श्रीराम के अदम्य उत्साह का चमत्कार था कि समुद्र के ऊपर सेतु-बन्धन जैसा असम्भवप्राय कार्य सम्पन्न किया जा सका था, जिसका समाचार सुनकर ''मेरे समान विश्व में कौन योद्धा है'' कहने वाला लंकेश यकायक कह उठा था. उसके दसों मुख से एक साथ यह आवाज निकली थी—समुद्र पर पुल बँध गया !

बाँध्यो वन निधि नीर निधि, जलधि सिन्धु बारीस।
सत्य तोय-निधि, कंपति, उदधि, पयोधि नदीस॥

श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत-धारण आदि की घटनाएँ नेपोलियन के कथन को प्रमाणित करती हैं कि 'असम्भव' कहकर हाथ पर हाथ रखकर बैठ जाना मूर्खता भी है और कायरता भी है. अभी आधुनिक काल की बात है. अहिंसक संघर्ष द्वारा महात्मा गांधी ने भारत को स्वतन्त्र कराकर असम्भवप्राय को सम्भव कर दिखाया. एक समय था जब महात्मा गांधी के अहिंसक असहयोग आन्दोलन को लक्ष्य करके यह आवाज लगाई जाती थी—गांधीजी गूलर के फूल प्राप्त करने की बातें करते हैं—

●●●